लखनऊ में फिल्म मैं अटल हूं की शूटिंग करती टीम ● जागरण आर्काइव

2030 तक साकार होगी सबसे बड़ी फिल्म सिटी

दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म सिटी नोएडा में 2030 तक साकार हो जाएगी। इसे एक हजार एकड़ में विकसित किया जाएगा। इसमें पहले फेस में 230 एकड़ भूमि पर फिल्म सिटी बनेगी, जबकि बाकी क्षेत्रफल में होटल, अपार्टमेंट, इंटरटेनमेंट हब सहित अन्य कार्य कराए जाएंगे। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गत फरवरी में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में फिल्म सिटी माडल भी प्रदर्शित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अभिनेता बोनी कपूर से फिल्म सिटी की खूबियों पर चर्चा की थी।

मुंबई क्यों, अब तो लखनऊ है ना

मनेन्द्र पाण्डेय ● जागरण

लखनऊ : राजधानी में पिछले पांच-सात वर्षों में जिस तरह रेलवे, सड़क, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में तीव्रता आई है, फिल्म उद्योग में भी उसी भांति संभावनाएं बढ़ी हैं। यहां लुभावने शूटिंग स्थल तो हैं ही, सरकार की फिल्म नीति भी आकर्षक है। यही कारण है कि निर्माता-निर्देशक यहां शूटिंग के लिए खिंचे चले आते हैं। शूटिंग को बढ़ावा मिलने से लखनऊ नई मायानगरी बन रही है।

उत्तर प्रदेश की फिल्म नीति से लखनऊ सहित अन्य जिलों की सांस्कृतिक, पौराणिक, ऐतिहासिक विरासत व गौरवशाली परंपरा देश-विदेश में प्रचारित-प्रसारित हो रही है। निरंतर फिल्मों, वेबसीरीज व टेलीविजन शो की शूटिंग बढ़ रही है। इसका प्रमाण है मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2022 में उत्तर प्रदेश को मिला सर्वाधिक शूटिंग अनुकूल राज्य पुरस्कार। यहां फिल्माई जाने वाली फिल्मों को फिल्म बंधु के तहत अनुदान भी दिया जा रहा है। 2017 से अब तक 80 से अधिक फिल्मों को अनुदान दिया गया है। अक्षय कुमार, भूमि पेडनेकर अभिनीत टायलेट एक प्रेम कथा, श्री देवी अभिनीत माम और अक्षय की जाली एलएलबी-2 को दो-दो करोड़ अनुदान दिए गए हैं।

कुर्सी-देवा रोड पर बन रहा फिल्म स्टूडियो ● जागरण आर्काइव

इनके अलावा संजय दत्त की प्रस्थानम, अजय देवगन की रेड, कार्तिक आर्यन, नुशरत भरूचा व सन्नी सिंह अभिनीत सोनू के टीटू की स्वीटी, आयुष्मान खुराना की आर्टिकल-15 सहित कई फिल्मों को लाखों रुपये अनुदान दिए गए हैं। यही नहीं, प्रदेश के बाहर के कलाकारों और निर्माताओं को शूटिंग के लिए यहां बेहतर वातावरण व आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं। शूटिंग को बढ़ावा देने वाले और भी कारण हैं। विशेष बात यह है कि यहां दृश्य फिल्माने के लिए रियल लोकेशन उपलब्ध हैं। लाइट, साउंड आदि का किराया भी मुंबई से यहां कम है। मुंबई की अपेक्षा कम पैसे में कलाकार उपलब्ध हो जाते हैं। निर्देशकों को कलाकारों की भाषा पर अधिक काम नहीं करना पड़ता। इससे दर्शकों को फिल्म की कहानी समझने में आसानी होती है।

लुभा रहीं रियल लोकेशन : लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क, लोहिया पार्क, अंबेडकर पार्क में कई फिल्मों की शूटिंग की जा चुकी है। गोमती किनारे, हजरतगंज, कालिचन तालुकेदार्स कालेज, लामार्टीनियर कालेज, चारबाग व गोमतीनगर रेलवे स्टेशन, काकोरी और मलिहाबाद की बाग रियल लोकेशन हैं। यही नहीं, बड़ा इमामबाड़ा, भूलभुलैया, रेजीडेंसी, रूमी गेट, घंटाघर, छतर मंजिल सहित कई पुरानी इमारतों में भी शूटिंग की जा रही है। ये शूटिंग स्थल निर्माता-निर्देशक देखते हैं, तो दृश्य फिल्माने के लिए खिंचे चले आते हैं। संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरा मंडी के लिए रियल बागों की लोकेशन चाहिए थी। भंसाली इसके लिए ही लखनऊ आए और यहां करीब 10 दिनों तक अपनी वेबसीरीज की शूटिंग की। इससे पहले अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म स्काई फोर्स की शूटिंग की थी। लोकप्रिय अभिनेता धर्मेंद्र ने फिल्म इक्कीस के दृश्य भी लखनऊ में कई जगह फिल्माए थे।

दो साल में तैयार हो जाएगा फिल्म स्टूडियो

फिल्मों की शूटिंग के लिए सेट अब लखनऊ में ही मिल जाएंगे। इसके लिए कुर्सी-देवा रोड पर फिल्म स्टूडियो बनाया जा रहा है। 27 एकड़ में फिल्म स्टूडियो बनाने में 96 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। यूपी में यह अपनी तरह का पहला फिल्म स्टूडियो होगा। इसमें रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, अस्पताल, जेल, मार्केट, बंगला, एयरपोर्ट आदि के सेट मिल जाएंगे। बाहर की लोकेशन दिखाने के लिए जरूरी शूटिंग फ्लोर भी यहां बनाए जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि एक ही जगह पर फिल्म निर्माण के लिए अलग-अलग लोकेशन का सेट मिल जाएगा।

इतने लोगों को मिल रहा काम

सहयोगी कलाकार	100
जूनियर कलाकार	1000
बाउंसर	50
ट्रैवल एजेंसी	200
लाइट एंड साउंड	50
आर्ट डायरेक्शन	30
लाइन प्रोड्यूसर	12
कास्टिंग टीम	10

(अनुमानित आंकड़े प्रति फिल्म)

मुंबई से कई लोगों ने लाइट एंड साउंड सिस्टम लखनऊ लाकर स्थापित कर लिए हैं। लखनऊ में प्रोड्यूसर, डायरेक्टर भी लखनऊ भी निकल रहे हैं। मैंने संतोष, सत्यमेव जयते, बाटला हाउस, गुलाबो सिताबो, गंदा बच्चा, लाहौर कान्फिडेंशियल सहित 20 से अधिक फिल्मों में कास्टिंग डायरेक्शन किया है। इससे अनुभव हुआ कि अब लखनऊ में बहुत अवसर हैं। मिशन मजनू, बाटला हाउस, सत्यमेव जयते, कारगिल गर्ल, तनु वेड्स मनु आदि फिल्मों में अभिनय से भी लगा कि यहां हर क्षेत्र की अपनी एक कहानी है, जिसे पर्दे पर फिल्माया जा सकता है।

-मो. सैफ, अभिनेता एवं कास्टिंग डायरेक्टर

दो साल में फिल्म स्टूडियो शूटिंग के लिए तैयार हो जाएगा। यहां फिल्म के अलावा सीरियल, वेब सीरीज की शूटिंग के लिए क्रोमा सेट की सुविधा भी हम दिलाएंगे। इसके अलावा शूटिंग क्रू व कलाकारों को रुकने की सुविधा भी देंगे।

-नितिन मिश्र, फिल्म निर्देशक